No. of Printed Pages : 4

एम.आर.पी.-003

रेडियो प्रसारण में स्नातकोत्तर डिप्लोमा कार्यक्रम
(पी.जी.डी.आर.पी.)

00279

सत्रांत परीक्षा

जून, 2014

एम.आर.पी.-003 : रेडियो लेखन

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : ***सभी*** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए । सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।*

1. नीचे कहानी का एक अंश दिया जा रहा है । इसके आधार पर पाँच मिनट के प्रसारण-योग्य रेडियो नाटक का आलेख तैयार कीजिए : *20*

गजाधर बाबू ने कमरे में जमा सामान पर एक नज़र दौड़ाई — दो बक्स, डोलची, बाल्टी । "यह डिब्बा कैसा है, गनेशी ?" उन्होंने पूछा । गनेशी बिस्तर बाँधता हुआ, कुछ गर्व, कुछ दुःख, कुछ लज्जा से बोला, "घरवाली ने साथ में कुछ बेसन के लड्डू रख दिए हैं । कहा, बाबूजी को पसन्द थे, अब कहाँ हम गरीब लोग आपकी कुछ खातिर कर पाएँगे ।" घर जाने की ख़ुशी में भी गजाधर बाबू ने एक विषाद का अनुभव किया जैसे एक परिचित, स्नेह, आदरमय, सहज संसार से उनका नाता टूट रहा था ।

"कभी-कभी हम लोगों की भी खबर लेते रहिएगा ।" गनेशी बिस्तर में रस्सी बाँधता हुआ बोला ।

"कभी कुछ ज़रूरत हो तो लिखना गनेशी, इस अगहन तक बिटिया की शादी कर दो ।"

गनेशी ने अंगोछे के छोर से आँखें पोंछी, "अब आप लोग सहारा न देंगे, तो कौन देगा ? आप यहाँ रहते तो शादी में कुछ हौसला रहता ।"

गजाधर बाबू खुश थे, पैंतीस साल की नौकरी के बाद वह रिटायर हो कर जा रहे थे । इन वर्षों में अधिकांश समय उन्होंने अकेले रह कर काटा था । उन अकेले क्षणों में उन्होंने इसी समय की कल्पना की थी, जब वह अपने परिवार के साथ रह सकेंगे । इसी आशा के सहारे वह अपने अभाव का बोझ ढो रहे थे । संसार की दृष्टि से उनका जीवन सफल कहा जा सकता था । उन्होंने शहर में एक मकान बनवा लिया था, बड़े लड़के अमर और लड़की कान्ति की शादियाँ कर दी थीं, दो बच्चे ऊँची कक्षाओं में पढ़ रहे थे । गजाधर बाबू नौकरी के कारण प्रायः छोटे स्टेशनों पर रहे, और उनके बच्चे तथा पत्नी शहर में, जिससे पढ़ाई में बाधा न हो । गजाधर बाबू स्वभाव से बहुत स्नेही व्यक्ति थे और स्नेह के आकांक्षी भी । जब परिवार साथ था, ड्यूटी से लौट कर बच्चों से हँसते-बोलते, पत्नी से कुछ मनोविनोद करते । उन सबके चले जाने से उनके जीवन में गहन सूनापन भर उठा ।

इतवार का दिन था और उनके सब बच्चे इकट्ठे होकर नाश्ता कर रहे थे । गजाधर बाबू के सूखे होठों पर स्निग्ध मुस्कान आ गई । उसी तरह मुस्कुराते हुए, वह बिना खाँसे हुए अन्दर चले गए । उन्होंने देखा कि नरेन्द्र कमर पर हाथ रखे शायद रात की फिल्म में देखे गए किसी नृत्य की नक़ल कर रहा था । गजाधर बाबू ने मुस्कुराते हुए उन लोगों को देखा । फिर कहा, "क्यों नरेन्द्र, क्या नक़ल हो रही थी ?"

"कुछ नहीं, बाबूजी ।" नरेन्द्र ने सिटपिटा कर कहा । गजाधर बाबू ने चाहा था कि वह भी इस मनोविनोद में भाग लेते, पर उनके आते ही जैसे सब कुण्ठित हो चुप हो गए, इससे उनके मन में थोड़ी-सी खिन्नता उपज आई ।

बैठते हुए बोले, "बसन्ती, चाय मुझे भी देना । तुम्हारी अम्मा की पूजा अभी चल रही है क्या ?"

बसन्ती ने माँ की कोठरी की ओर देखा, अभी आती ही होगी, और प्याले में उनके लिए चाय छानने लगी । बहू चुपचाप पहले ही चली गई थी, अब नरेन्द्र भी चाय का आख़िरी घूँट पी कर उठ खड़ा हुआ । केवल बसन्ती, पिता के लिहाज़ में, चौके में बैठी माँ की राह देखने लगी । गजाधर बाबू ने एक घूँट चाय पी, फिर कहा, "बेटी – चाय तो फीकी है ।"

"लाइए, चीनी और डाल दूँ ।" बसन्ती बोली ।

"रहने दो, तुम्हारी अम्मा जब आएगी, तभी पी लूँगा ।"

थोड़ी देर में उनकी पत्नी हाथ में अर्घ्य का लोटा लिए निकली और अशुद्ध स्तुति कहते हुए तुलसी में डाल दिया । उन्हें देखते ही बसन्ती भी उठ गई । पत्नी ने आकर गजाधर बाबू को देखा और कहा, "अरे, आप अकेले बैठे हैं । ये सब कहाँ गए ?" गजाधर बाबू के मन में फाँस-सी कसक उठी, "अपने-अपने काम में लग गए हैं — आख़िर बच्चे ही हैं ।"

पत्नी आकर चौके में बैठ गई । उन्होंने नाक-भौं चढ़ाकर चारों ओर जूठे बर्तनों को देखा । फिर कहा, "सारे जूठे बर्तन पड़े हैं । इस घर में धरम-करम कुछ नहीं । पूजा करके सीधे चौके में घुसो ।" फिर उन्होंने नौकर को पुकारा, जब उत्तर न मिला तो एक बार और उच्च स्वर में पुकारा, फिर पति की ओर देखकर बोली, "बहू ने भेजा होगा बाज़ार ।" और एक लम्बी साँस ले कर चुप हो रहीं ।

2. रेडियो के लिए समाचार लेखन की किन-किन बातों का ध्यान रखना चाहिए । उदाहरण सहित वर्णन कीजिए । *20*

अथवा

रेडियो नाटक रंगमंच नाटक से किस प्रकार भिन्न है ? उदाहरण सहित समझाइए । *20*

3. कन्या भ्रूण हत्या पर एक आधे घण्टे की डॉक्यूमेंट्री की रूपरेखा प्रस्तुत कीजिए । *20*

अथवा

'जल प्रदूषण' विषय पर 20 मिनट के एक रेडियो रूपक की रूपरेखा प्रस्तुत कीजिए । *20*

4. सामुदायिक रेडियो के महत्त्व पर एक वार्ता के प्रारंभिक 3 मिनट का आलेख लिखिए । *20*

5. 'पर्यटन' और 'रक्तदान' विषयों पर दो-दो (कुल चार) जन सूचनाओं का आलेख/कॉपी तैयार कीजिए । *20*